THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PERSONNEL, PUBLIC GRIEVANCE AND PENSIONS AND THE MINISTER OF STATE IN THE PRIME MINISTER'S OFFICE (SHRI V. NARAYANASAMY): The Government is willing to... (*Interruptions*) What is the problem? (*Interruptions*)

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): That is not going on record. (*Interruptions*) If the Minister comes, I have no objection; it is up to the Minister. But, remember, you cannot ask a Minister to come at a particular time. You have to take the convenience of the Minister also. He is also a human being. (*Interruptions*) He cannot just act as a machine. Now Shri Mohammed Adeeb, please. (*Interruptions*) Nothing else will go on record. Yes, Shri Mohammed Adeeb.

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Problem in Jawaharlal Nehru Medical College at A.M.U.

श्री मोहम्मद अदीब (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं जीरो ऑवर में जवाहरलाल मेडिकल कालेज, अलीगढ़ के बारे में कुछ बातें आपके सामने रखना चाहता हूं। जवाहर लाल मेडिकल कालेज मुस्लिम यूनिवर्सिटी का मेडिकल कालेज है। जहां लगभग साढ़े 4 से 5 लाख मरीज एक साल में देखे जाते हैं और 35,000 से 40,000 लोग एडमिट होते हैं और 15,000 के लगभग आपरेशन होते हैं। वहां की दुदर्शा यह है कि वह अंडर यूजीसी के आता है, जबकि दूसरे मेडिकल कालेज, जैसे राम मनोहर लोहिया अस्पताल है, यह 600 बैड का अस्पताल है, इसको साढ़े 300 करोड़ रुपये मिलते हैं, दूसरा सफदरजंग अस्पताल, दिल्ली में है, उसमें 1200 बैड हैं और उसे साढ़े 500 करोड़ रुपये मिलते हैं। अलीगढ़ मुस्लिम युनिवर्सिटी को सिर्फ 2 करोड़ रुपया मिलता है, जहां पर 1150 बैड हैं। वर्ष 2005 से यह रिक्वेस्ट हो रही है कि यूजीसी या हेल्थ मिनिस्ट्री अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का बजट बढ़ाये। वहां पर 2 करोड़ 10 लाख रुपये 1200 मरीजों के लिए पांच साल से अलोकेट हैं। एक मरीज पर 50 रुपये पर हैड, पर बैड का हिसाब पड़ता है, यानी उस 50 रुपये में मरीज का खाना भी है, दवा भी है, लान्ड्री भी है और जितनी मेंटिनेंस है, वह सब शामिल है। आज हालत यह है कि अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी का मेडिकल कालेज, जो जवाहर लाल मेडिकल कालेज कहलाता है, उसको 2 करोड़ 10 लाख रुपये वर्ष 2005 से दिए जा रहे हैं और कहा यह जा रहा है कि यह यूजीसी की तरफ से है। हेल्थ मिनिस्ट्री एक नया पैसा इस यूनिवर्सिटी को, इस मेडिकल कालेज को नहीं दे रही है।

सर, इसी तरह की दुर्दशा बनारस हिन्दू मेडिकल कालेज की भी है। उसके बारे में मुझे बताया गया है कि वहां भी merely कुछ करोड़ रुपये दिए जाते हैं। उत्तर प्रदेश के दो मेडिकल कालेज, जो इतनी बड़ी संख्या में मरीजों को देखते हैं, वहां पर आपकी तरफ से कोई साधन उपलब्ध नहीं कराये जा रहे हैं, वहां पर हेल्थ मिनिस्ट्री कुछ नहीं कर रही है और न यूजीसी उसको पैसा दे रही है। मेरी आपसे इस हाऊस के जरिए से दरख्वास्त है कि इस पर

[श्री मोहम्मद अदीब]

जल्द से जल्द कार्यवाही की जाए।...(**समय की घंटी**)...अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी वैस्टर्न यू.पी. के 16 जिलों को feed करती है और ईस्टर्न यू.पी. के जिलों को बनारस हिन्दू यूनिवर्सिटी मेडिकल कालेज feed करती है।

उपसभाध्यक्ष (प्रो. पी.जे. कुरियन): तीन मिनट का समय हो गया है, आप बैठ जाइए।

श्री मोहम्मद अदीब: मेरी यह गुजारिश है कि आप फौरन हेल्थ मिनिस्ट्री और एजुकेशन मिनिस्ट्री को डायरेक्ट करें कि जो मेडिकल कालेज गरीबों के लिए बने हैं, उनको पैसा दिया जाए।

†**جناب محمد ادیب (اتر پردیش):** اپ سبھا ادھیکش مہودے، میں زیرو-آور میں جواہر لال میڈیکل کالج، علی گڑھ کے بارے میں کچھ باتیں آپ کے سامنے رکھنا چاہتا ہوں۔ جواہر لال میڈیکل کالج مسلم یونیورسٹی کا میڈیکل کالج ہے۔ جہاں لگ۔ بھگ ساڑھے 4 سے 5 لاکھ مریض ایک سال میں دیکھے جاتے ہیں اور 35،000 سے 40،000 لوگ ایڈمٹ ہوتے ہیں اور 15،000 کے لگ بھگ آپریشن ہوتے ہیں۔ وہاں کی دردشا یہ ہے کہ وہ انڈر یو۔جی۔سی۔ کے آتا ہے، جبکہ دوسرے میڈیکل کالج، جیسے رام منوہر لوہیا اسپتال ہے، یہ 600 بیڈ کا اسپتال ہے، اس کو ساڑھے تین سو کروڑ روپے ملتے ہیں، جبکہ صفدر جنگ اسپتال، دہلی میں ہے، اس میں 1200 بیڈ ہیں اور اسے ساڑھے پانچ سو کروڑ روپے ملتے ہیں۔ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کو صرف دو کروڑ ملتا ہے، جہاں پر 1150 بیڈ ہیں۔ سال 2005 سے یہ ریکویسٹ ہو رہی ہے کہ یو۔جی۔سی۔ یا ہیلتھ منسٹری، علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کا بجٹ بڑھائے۔ وہاں پر دو کروڑ دس لاکھ روپے، 1200 مریضوں کے لئے پانچ سال سے ایلوکیٹ ہیں۔ ایک مریض پر 50 روپے پر-ہیڈ، پر-بیڈ کا حساب پڑتا ہے، یعنی اس 50 روپے کا مریض کا کھانا بھی ہے، دوا بھی ہے، لانڈری بھی ہے اور جتنی مینٹنینس ہے، وہ سب شامل ہے۔ آج حالت یہ ہے کہ علی گڑھ مسلم یونیورسٹی کا میڈیکل کالج، جو جواہر لال میڈیکل کالج کہلاتا ہے، اس

† Translitereation in Urdu Script.

کو دو کروڑ دس لاکھ روپے، سال 2005 سے دئے جا رہے ہیں اور کہا یہ جا رہا ہے کہ یہ یو۔جی۔سی۔ کی طرف سے ہے۔ ہیلتھ منسٹری کا ایک نیا پیسہ اس یونیورسٹی کو، اس میڈیکل کالج کو نہیں دے رہی ہے۔

سر، اسی طرح کی دردشا بنارس ہندو میڈیکل کالج کی بھی ہے۔ اس کے بارے میں مجھے بتایا گیا ہے کہ وہاں بھی merely کچھ کروڑ روپے دئے جاتے ہیں۔ اتر پردیش کے دو میڈیکل کالج، جو اتنی بڑی تعداد میں مریضوں کو دیکھتے ہیں، وہان پر آپ کی طرف سے کوئی سادھن اپلبدّھ نہیں کرائے جا رہے ہیں، وہاں پر ہیلتھ منسٹری کچھ نہیں کر رہی ہے اور نہ یو۔جی۔سی۔ اس کو پیسہ دے رہی ہے۔ میری آپ سے اس ہاؤس کے ذریعے سے دوخواست ہے کہ اس پر جلد سے جلد کاروائی کی جائے ---(وقت کی گھنٹی)--- علی گڑھ مسلم یونیورسٹی ویسٹرن یو۔پی۔ کے 16 ضلعوں کو feed کرتی ہے اور ایسٹرن یو۔پی۔ کے ضلعوں کو بنارس ہندو یونیورسٹی میڈیکل کالج feed کرتی ہے۔

اپ سبھا ادھیکش (پروفیسر پی۔جے۔کورنین): تین منٹ کا سمے ہو گیا ہے، آپ بیٹھ جائیے۔

جناب محمد ادیب : میری یہ گزارش ہے کہ آپ فورا ہی ہیلتھ منسٹری اور ایجوکیشن منسٹری کو ڈائریکٹ کریں کہ جو میڈیکل کالج غریبوں کے لئے بنے ہیں، ان کو پیسہ دیا جائے۔

THE VICE-CHAIRMAN (PROF. P.J. KURIEN): Name of all those hon. Members who associate with this issue may kindly be noted. (*Interruptions*) Now, Shri Vijay Jawaharlal Darda. (*Interruptions*)

श्री रामविलास पासवाल (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैंने भी इस विषय पर नोटिस दिया है। यह बहुत गंभीर मामला है। आप एक जगह पर 400 करोड़ रुपया देते हैं और दूसरी जगह पर कुछ भी नहीं देते हैं। मैं इससे अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री राम कृपाल यादव (बिहार): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

श्री कप्तान सिंह सोलंकी (मध्य प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

प्रो. एस.पी. सिंह बघेल (उत्तर प्रदेश): उपसभाध्यक्ष महोदय, मैं इस विषय से अपने आपको सम्बद्ध करता हूं।

SHRI D. RAJA (Tamil Nadu): Sir, I associate myself with this issue.

SHRI DEVENDER GOUD T. (Andhra Pradesh): Sir, I also associate myself with this subject.

SHRI KUMAR DEEPAK DAS (Assam): Sir, I also associate myself with this issue.

Concern over killing of Tigers in Vidarbha Region and Madhya Pradesh

श्री विजय जवाहरलाल दर्डा (महाराष्ट्र): माननीय उपसभाध्यक्ष महोदय, एक महत्वपूर्ण विषय की ओर मैं सदन का और सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। यह अत्यंत दुख का विषय है कि हमारे देश में संरक्षण प्राप्त बाघों को लगातार शिकार बनाया जा रहा है तथा पिछले 8 दिनों के अंदर कम से कम 10 बाघों को बड़ी ही निर्दयता के साथ मारा गया है। विदर्भ के ताड़ोबा वन परिक्षेत्र में एक बाघ का शव मिला है। शिकारी उसके चारों पंजे तथा चेहरा काटकर अपने साथ ले गये तथा उसके अन्य आंगों को क्षत-विक्षत अवस्था में काटकर फेंक दिया गया है। इस बाघ के 8 से 10 टुकड़े किए गए, इसकी गर्दन कहीं मिली है और पूंछ कहीं मिली है।

उपसभाध्यक्ष महोदय, कटनी, मध्य प्रदेश बाघों की तस्करी का प्रमुख केन्द्र बन चुका है। अंतराष्ट्रीय तस्करों ने मेलघाट, पेंच और ताड़ोबा बाघ संरक्षण क्षेत्रों में 25 बाघों के शिकार की सुपारी दी है। इससे वन विभाग के लोगों में अफरा-तफरी मची हुई है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि ताड़ोबा अंधारी वन क्षेत्र से लेकर तमाम वन क्षेत्रों में जहां पिछले कुछ दिनों से बाघों का शिकार हुआ है, वहां पर चौकसी बढ़ाई जाए। इसके साथ ही उक्त घटनाओं की जांच करके अपराधियों और तस्करों पर शीघ्र कार्यवाही की जाए।

एक और चिंता की बात है कि देश का एक तिहाई वन संरक्षित एरिया नक्सली कब्जे में है, जहां वन विभाग के कर्मचारी और अधिकारी नहीं जा सकते हैं। मेरा अनुरोध है कि सरकार इन क्षेत्रों के संरक्षण के लिए आवश्यक कार्यवाही करे। आप जानते हैं कि टाइगर प्रोजेक्ट पर प्रधान मंत्री जी ने स्वयं ध्यान दिया है और इसे लिए एक बड़ा बजट भी बनाया है। इसके बावजूद भी आज वनों के अंदर इस प्रकार से शिकार का काम हो रहा है। मैं अपने साथ अखबार भी लाया हूं यदि आप देखना चाहें तो मैं दिखा सकता हूं। मैं समझता हूं कि सरकार को इस ओर ध्यान देना चाहिए और साथ ही साथ इसके लिए नई टेक्नीक का प्रयोग करना चाहिए। आज इस नई टेक्नीक का प्रयोग न होने कारण, जो हमारा कोरीडोर है, उसकी मिली-भगत से यह तस्करी का काम हो रहा है। मुझे विश्वास है कि सरकार इस ओर अधिक से अधिक ध्यान देकर, बाघों की हत्या को रोकने का काम करेगी।

श्रीमती माया सिंह (मध्य प्रदेश): सर, माननीय सदस्य ने जो विषय उठाया है, मैं अपने को इससे सम्बद्ध करती हूं।